Bharat Temples

ऐसी जालम बजाई मुरलिया

ऐसी जालम बजाई मुरलिया
मेरी यमुना बह गई गागरीया

सुध बुध खो गई बावरी हो गई
कहा हो गई पाओ की पायलीया
मेरी.....

कभी भागु इधर कभी भागु उधर
मैं तो भुल गई घर की डगरिया
मेरी.....

श्याम आजाओ ना अब तडपाओ ना
ऐसी तडपु मैं जल बिन मछरिया
मेरी.....

श्याम आये वहा बैठी राधा जहा
मिल के रास रचाए सावरिया
मेरी.....

Source:
https://www.bharattemples.com/esi-jaalm-bhjaai-muraliyan-meri-yamuna-beh-gai-gagariyan/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw